मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2021-23 /R.N.I. No. 2022007062

महिला क्रांतिकारियों की विरासत वीरांगना दुर्गा भाभी को लाल सलाम 2
ईमानदारी, सुशासन गुल, भ्रष्टाचार फुल! 4
हिंदू राष्ट्र के लिए अभिनव भारत संगठन तख्ता पलट चाहता था 5
मोदी जी तो महान कलाकार हैं, वे गलत नहीं हो सकते 6
आयुष्मान का पाखंड बनाम ईएसआई की हकीकत 8

वर्ष 37 | अंक -45 | फरीदाबाद | 24-30 सितम्बर 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

गूजर गौरव ने उड़ाई यातायात नियमों की धज्जियां

ट्रैक्टर के बोनट, कार की छतों पर, तेज डीजे की आवाज पर उछलते कूदते, बाइक से फायर करते, गौरवशाली गूजरों के लिए ट्रैफिक पुलिस बनाती रही रास्ता

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) प्रतिहार राजा मिहिर भोज की जयंती के नाम पर अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा ने सोमवार को शहर की सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान गूजर गौरव के दिखावे में युवकों ने यातायात नियमों का जमकर उल्लंघन किया। डीजे की तेज आवाज पर सड़क पर कसरत करते, बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालते और कार की छत ट्रैक्टर के बोनट पर चढ़कर खुद की जान जोखिम में डालने वाले इन हुड़दंगियों को रोकने के बजाय ट्रैफिक पुलिस बाकायदा इनको रास्ता देने के लिए दूसरे वाहनों का रास्ता रोकती नजर आई।

पुलिस के लिए महा शर्मनाक

राजा मिहिर भोज की 1208 वीं जयंती पर अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा की शोभा यात्रा पाली गांव से आरंभ हुई। शोभा यात्रा में गूजर समाज के अनेक युवा कार, ट्रैक्टर-ट्रॉली, बाइक और पैदल शामिल थे। यात्रा पाली से अनखीर, ओल्ड फरीदाबाद होते हुए सेक्टर 16 स्थित गुर्जर भवन पहुंची। पूरी यात्रा के दौरान गूजर मार्ग अवरुद्ध कर सड़क पर ही कसरत करने के नाम पर उछलकूद कर नजर आए। कार के अंदर बैठने के बजाय खतरनाक ढंग से खिड़कियों से बाहर लटक कर जाति के झंडे लहराते रहे तो कुछ गूजर ट्रैक्टर के बोनट पर चढ़कर नाचते उछलते दिखे। हुड़दंग यात्रा में तब्दील हुई शोभा यात्रा के कारण पीछे चल रहे वाहनों को निकलने की जगह नहीं मिली। अनखीर से लेकर बड़खल पुल तक हुड़दंग यात्रा के कारण जाम की स्थिति बनी रही। खास बात यह रही कि ट्रैफिक पुलिस और पुलिस इन लोगों को सड़क पर हुड़दंग करने और दूसरे चालक- यात्रियों के लिए समस्या पैदा करने से रोकने के बजाय मूकदर्शक बने रहे। इससे हुड़दंगी प्रकार के कुछ युवाओं का हौसला बुलंद हो गया और वह बड़खल फ्लाईओवर के नीचे ही कसरत करने के नाम पर रास्ता रोके रहे। सामने ही पुलिस बूथ में मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें कुछ नहीं कहा, हालांकि आयोजकों में से कुछ गर्मी के कारण जुलूस को जल्दी आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहे।

कहने को तो इस शहर में हर चौराहे पर ट्रैफिक लाइटें लगी हैं, यातायात पुलिस और होमगार्ड तैनात हैं लेकिन ये सब ऐसे मौकों पर निष्क्रिय और मूकदर्शक बन कर खड़े हो जाते है, मान लिया जाए कि ये भीड़ पर काबू नहीं कर सकते तो इन्हें दूसरे यात्रियों के लिए रास्ता तो बनवाना चाहिए ताकि अन्य लोगों को कोई परेशानी नहीं आए। यातायात नियमों के नाम पर जुर्माना वसूलने के नए रिकॉर्ड बनाने पर मातहतों की पीठ थपथपाने वाले पुलिस आयुक्त राकेश आर्य इस तरह के आयोजन में आम जनता को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए कारगर कदम भी उठाते तो बेहतर होता। इस हुडदंग यात्रा से प्रेरित होकर कल को परशुराम यात्रा, नाहर सिंह यात्रा, अंबेडकर यात्रा न जाने कितनी यात्राएं निकलने के मार्ग प्रशस्त होंगे। अगर यह सिलसिला यूं ही चलता रहा तो सड़कों पर केवल हुडदंग यात्राएं ही रहा करेंगी बाकी लोग सड़कों पर खड़े होकर अपना सिर धुनेंगे।

न तनख्वाह, न पद फिर भी साहब नगर निगम में जेई हैं

नगर निगम में क्यों न हो भ्रष्टाचार

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) नगर निगम को लूट कर इसे भ्रष्टाचार का केंद्र बनाने वाले हरामखोर अधिकारी यहां अपने ही नियम कानून चलाते हैं। नगर निगम का पूर्व कर्मचारी वीर सिंह कोई पद नहीं होने के बावजूद जूनियर इंजीनियर के रूप में काम कर रहा है। कहीं से वेतन नहीं मिलने के बावजूद उसे वार्ड 31 का काम सौंप दिया गया। महीनों से वह यह न सिर्फ देख रहा है बल्कि ऊपर से आने वाले आदेश का पालन कर उसकी रिपोर्ट भी बना कर भेज रहा है। निगम में चर्चा है कि एसई ओमबीर के साथ हिस्सा पत्ती होने के कारण वह निगम में लूट कमाई वाले काम संभालता है।

नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार वीर सिंह यहां 2012 तक निगम रोल पर कार्यरत था। इसके बाद नगर निगम में सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को ठेके पर रखा जाने लगा तो वीर सिंह भी ठेका कर्मचारी बन गया। नवंबर 2021 में खट्टर ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम की स्थापना की घोषणा की। अप्रैल 2022 से सभी ठेका कर्मियों को एचकेआरएन के तहत भर्ती किया जाने लगा। नगर निगम में ठेके पर लगे जेई सहित अन्य कर्मचारियों को नोटिस जारी कर एचकेआरएन में पंजीकरण कराने के निर्देश कई बार जारी किए गए। वीर सिंह को छोड़ कर बाकी सभी जेई एचकेआरएन में पंजीकरण करा भर्ती भी हो गए। एचकेआरएन के तहत भर्ती होने के बजाय वीर सिंह ने न्यायालय में याचिका दायर कर दी।

अक्तूबर में सर्विस प्रोवाइडर यानी ठेका कंपनी का अनुबंध समाप्त हो गया। अनुबंध समाप्त होने के कारण वीर सिंह को वहां से वेतन मिलना बंद हो गया और एचकेआरएन में पंजीकरण नहीं होने के कारण वह अधिकृत रूप से नगर निगम का कर्मचारी नहीं रहा। नगर निगम में 16 दिसंबर को कार्यालय आदेश जारी कर जेई की पोस्टिंग की गई। कर्मचारी नहीं होने के बावजूद उस आदेश में वीर सिंह को जेई दर्शाते हुए वार्ड नंबर 31 का प्रभारी बना दिया गया। बताया जाता है कि वीर सिंह को यह पद उसके आका एसई ओमबीर ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए दिलाया, हालांकि ओमबीर ने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर यह काम किया।

सरपरस्त ओमबीर के साथ 'जेई' वीर सिंह

वीर सिंह बीते आठ-नौ महीनों से बिना वेतन के वार्ड नंबर 31 में हर काम करवा रहा है। जनता की शिकायतों का निस्तारण

शेष पेज चार पर